

Chapter: 1 to 5

विभाग १ - गद्य

प्र.१ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (गद्य)

प्र.१ टाँग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे। ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है। जनरल वार्ड का तो एक नियम होता है कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं, किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है कि “हे मेरे परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों! आओ, जब जी चाहे आओ, चाहे जितनी देर रुको, समय का कोई बंधन नहीं। अपने सारे बदले निकालने का यही वक्त है। बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी। मिलने वालों का खयाल आते ही मुझे लगा मेरी दूसरी टाँग भी टूट गई।

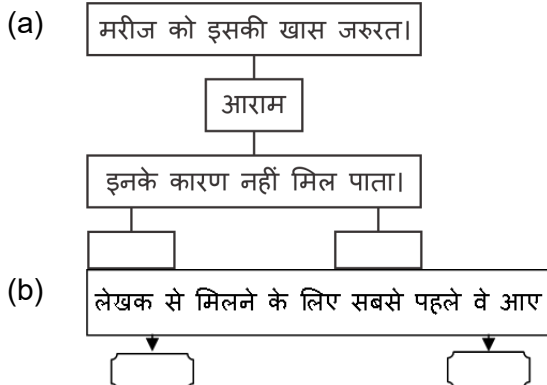
मुझसे मिलने के लिए सबसे पहले वे लोग आए जिनकी टाँग या कुछ और टूटने पर मैं कभी उनसे मिलने गया था, मानो वे इसी दिन का इंतजार कर रहे थे कि कब मेरी टाँग टूटे और कब वे अपना एहसान चुकाएँ। इनकी हमदर्दी में ये बात खास छिपी रहती है कि देख बेटा, वक्त सब पर आता है।

दर्द के मारे एक तो मरीज को वैसे ही नींद नहीं आती, यदि थोड़ी बहुत आ भी जाए तो मिलने वाले जगा देते हैं- खास कर वे लोग जो सिर्फ औपचारिकता निभाने आते हैं। इन्हें मरीज से हमदर्दी नहीं होती, ये सिर्फ सूरत दिखाने आते हैं। ऐसे में एक दिन मैंने तय किया कि आज कोई भी आए, मैं आँख नहीं खोलूँगा। चुपचाप पड़ा रहूँगा। ऑफिस के बड़े बाबू आए और मुझे सोया जानकर वापस जाने के बजाय वे सोचने लगे कि यदि मैंने उन्हें नहीं देखा तो कैसे पता चलेगा कि वे मिलने आए थे। अतः उन्होंने मुझे धीरे-धीरे हिलाना शुरू किया। फिर भी जब आँखें नहीं खुली तो उन्होंने मेरी टाँग के टूटे हिस्से को जोर से दबाया। मैंने दर्द के मारे कुछ चीखते हुए जब आँख खोली तो वे मुस्कराते हुए बोले- “कहिए अब दर्द कैसा है?”

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:



A2) ..

2

घटनानुसार उचितक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए।

- (1) कब वे अपना एहसान चुकाएँ।
- (2) मैं आँख नहीं खोलूंगा।
- (3) मरीज को खास जरूरत होती है।
- (4) बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी।

A3) ..

2

सारणी की सहायता से विरुद्ध अर्थ के शब्द लिखिए।

रा	×	न	आ	×	म
त	क	त	×	र	×
न	×	र	म	ल	×
ज	दु	त	क	म	×
श	×	×	मू	×	×
×	×	×	×	×	×

i. अधिक ×

ii. खास ×

iii. प्राइवेट ×

iv. मित्र ×

A4) ..

2

स्वमत :-

“मरीज के परिजनों की मनोदशा”

विभाग २ - पद्य

पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए (पद्य)

प्र.
२

प्र.
२

हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार
उषा ने हँस अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार ।

जगे हम, लगे जगाने विश्व, लोक में फैला फिर आलोक
व्योमतम पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक ।

विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल कर में संप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम संगीत ।

विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम
भिक्षु होकर रहते सम्राट, दया दिखलाते घर-घर घूम ।

‘गोरी’ को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि।

1 A1) ..

2

उचित जोड़िया मिलाइए।

'अ' गट	'आ' गट
(i) विजय	धूम
(ii) धर्म	शील
(iii) दान	साम
(iv) सिंहल	लोहे
	दया

A2) ..

2

लिंग पहचानकर लिखिए।

i. हिमालय - ii. भूमि -

वचन बदलकर लिखिए।

i. किरण - ii. लोहे -

A3) ..

2

स्वमत:

उपरोक्त पद्यांश में से अपनी पसंदीदा किन्हीं चार पंक्तियों का भावार्थ २५ से ३० शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.३ (1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए

(1)

इसीलिए इसे 'फ्लेम ऑफ द फायर' कहा जाता है।

(2) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :-

(1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) बोलना
ii) भरना

(3) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :-

(2)

(1) तुम बहुत थक गया होगा।

(2) मैं जंगल में जाकर हिंदुओं की साथ ध्यान करेगा।

(4) सुचना के अनुसार कालपरिर्तन किजिए

(2)

1) मैंने कई खेलों में हिस्सा लिया। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

2) हम सब कुछ जानने का दंभ रखते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

प्र.
४

विज्ञापन लेखन -

(5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए।

